उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (उत्तराखण्ड शासन)
विज्ञान धाम, पो0ओ0–झाजरा, वाया प्रेमनगर, देहरादून।

संख्याः वि0प्रौ0प0/विज्ञप्ति/2015–16/80 दिनांक 06 अक्टूबर, 2015

प्रेस विज्ञप्ति

विज्ञान मंथन यात्रा – 2015

मध्य प्रदेश से उत्तराखण्ड की अध्ययन यात्रा पर आये 150 छात्र–छात्रायें का उत्तराखण्ड द्वारा अपने विज्ञान धाम, झाजरा परिसर में स्वागत किया गया। श्री धमेन्द्र कोष्ठा, कोर्डिनेटर, विज्ञान मंथन यात्रा, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा अवगत कराया गया कि विगत तीन वर्षों से विज्ञान मंथन यात्रा का आयोजन मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद कर रहा है जिसमें स्कूल के छात्र–छात्राओं को देश के विभिन्न राज्यों में वैज्ञानिक रूचि को विकसित करने हेतु अध्ययन यात्रा पर भेजा जाता है, जहाँ विज्ञान से सम्बन्धित अलग– अलग विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा उन्हे जानकारी उपलब्ध करायी जाती है ताकि बच्चों में वैज्ञानिक सोच का विकास हो सके।

परिषद द्वारा विज्ञान मंथन यात्रा में आये छात्र–छात्राओं हेतु Mission Excellence Programme का आयोजन कराया गया जिसमें यूकॉस्ट के महानिदेशक डा0 राजेन्द्र डोभाल ने बच्चों का स्वागत किया तथा उन्हें विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में हो रहे विकास से अवगत कराया गया। उत्तराखण्ड की जैव विविधता, ग्लेशियर, नदिया व सांस्कृतिक महत्व तथा राज्य में विभिन्न केन्द्रीय, राज्य सरकार के शोध संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी दी। छात्र–छात्राओं से आह्वान करते हुये उन्होंने कहा कि वह अपने अन्दर वैज्ञानिक सोच को जागृत करें और समाज की उन्नति में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर लोकप्रिय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें डा0 जी0एस0रावत, वैज्ञानिक, वन्य जीव संस्थान, देहरादून द्वारा Glimpses of Himalayan Biodiversity विषय पर जानकारी उपलब्ध करायी गयी कि सम्पूर्ण हिमालय क्षेत्र के पौधों एवं प्राणियों को किस प्रकार से पारिस्थितिकीय तंत्र प्रभावित करते हैं एवं इनका संवर्धन, संरक्षण किया जाना जरूरी है। डा0 एन0जी0 श्रीवास्तव, वैज्ञानिक, पी0सी0आर0आई, हरिद्वार ने जल गुणवत्ता एवं जलतंत्र के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी कि किस प्रकार से जल को संरक्षित एवं संवर्धन किया जा सकता है तथा प्राकृतिक तरीकों से जल की गुणवत्ता को कैसे बढ़ाया जा सकता है। इन्होनें हिमालय क्षेत्र में जल को मापने सम्बन्धी यंत्र व तकनीक को भी बच्चों के साथ साझा किया। साथ ही जलजनित बीमारियां एवं किस प्रकार जल सम्बन्धी बीमारियों से निजात पाया जा सकता है, के बारे में बताया। इन्होंने उपस्थित लोगों से प्राकृतिक जल स्रोतों की शुद्धता को बनाये रखने का आह्वान किया।

इस विज्ञान मंथन यात्रा के दौरान परिषद परिसर में बच्चों को क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण तथा वहां की जानकारी भी उपलब्ध करायी गयी। कार्यक्रम का संचालन डा0 डी0पी0 उनियाल ने किया एवं धन्यवाद भाषण डा0 बी0पी0 पुरोहित द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम में परिषद के अधिकारी/कर्मचारी एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल से आये विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अमित पोखरियाल
प्रबन्धक जनसम्पर्क
8193099156